देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंकः 178 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

पेज श्री

देहरादून, शनिवार, 16 अक्टूबर 2021

विचार-प्रवाह...
विभाजन का जख्म

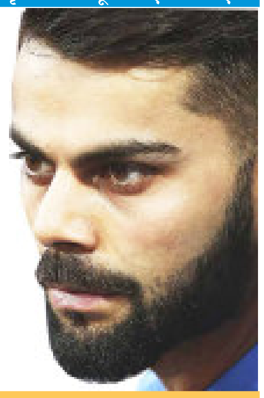

मौसम | अधिकतम 32.0° | न्यूनतम 22.0° | 41527.41

2 बाजवा के लिए भस्मासुर बने इमरान

7 कुर्सी पर रस्सी में बंधे विराट कोहली ?

समर्थ राष्ट्र के संकल्पों को मिलेगी मजबूती

पीएम मोदी ने देश को समर्पित की 7 नई रक्षा कंपनियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में पहले की तुलना में अब कहीं अधिक पारदर्शिता, विश्वास और प्रौद्योगिकी–चालित रुख है तथा आजादी के बाद पहली बार बड़े सुधार हो रहे हैं।

मोदी ने, विजयदशमी के अवसर पर सात नयी रक्षा कम्पनियां राष्ट्र को समर्पित करने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान का जिक्र किया और कहा कि देश को खुद के बूते विश्व की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बनाने का लक्ष्य है।

सुधार की एक बड़ी पहल के तहत सात सरकारी रक्षा कंपनियों का सृजन 200 साल से अधिक पुराने आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) को भंग करने के बाद किया गया था।

मोदी ने उल्लेख किया कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि ये कंपनियां न सिर्फ अपने उत्पादों में विशेषज्ञता हासिल करे, बल्कि वैश्विक ब्रांड भी बने। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी लागत भारत की मजबूती है, जबकि विश्वसनीयता इसकी पहचान होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विश्व ने प्रथम विश्व युद्ध के समय भारत की आर्डनेंस फैक्टरियों की क्षमता देखी थी और वे बेहतर संसाधन तथा विश्वस्तरीय कौशल रखा करते थे, लेकिन आजादी के बाद के युग में कंपनियों ने उनकी अनदेखी की, जिससे विदेशी आपूर्ति पर देश की निर्भरता बढ़ गई।

प्रधानमंत्री ने वीडियो संबोधन में कहा, ''आजादी के बाद, हमें इन फैक्टरियों को अद्यतन करने, नये युग की प्रौद्योगिकी अपनाने की जरूरत थी। लेकिन इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। समय बीतने के साथ भारत अपनी सामरिक जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर हो गया। ये सात नयी रक्षा कंपनियां इस स्थिति में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाएगी।'' मोदी ने कहा कि भारत आजादी के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर गया है, लंबे से अटकी पड़ी परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''ये सात रक्षा कंपनियां इस स्थिति को बदलने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगी।'' पीएम ने उम्मीद जताई कि नयी कंपनियां आयात प्रतिस्थापन में एक अहम भूमिका निभाएंगी।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा उद्योग संघों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

सात कम्पनियां

पीएमओ के अनुसार, निगमित की गईं सात कम्पनियां–म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (अवनी), एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूई इंडिया), ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल), यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल), इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) और ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) हैं।

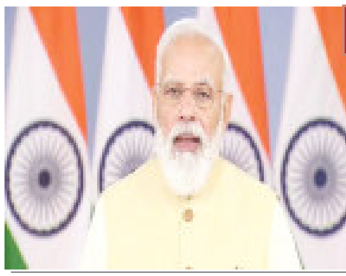

नये युग का हो रहा है आरंभः पीएम

मोदी ने कहा कि सरकार ने कंपनियों को पूर्ण क्रियात्मक स्वायत्ता के साथ–साथ बेहतर उत्पादन माहौल दिया है। प्रधानमंत्री ने अनुसंधान करने वाले युवाओं को अधिकतम अवसर देने और उन्हें सोचने की पूरी स्वतंत्रता देने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''मैं देश के स्टार्ट–अप से भी कहना चाहूंगा कि इन सात कंपनियों के जरिए देश के नये युग का आज आरंभ हो रहा है, आपको भी इसका हिस्सा होना चाहिए।''

7 निगम बनाने के लिए दोनों कोर्ट में दायर की याचिका

रक्षा मंत्रालय ने 28 सितंबर को आदेश जारी कर कहा कि 1 अक्टूबर से आयुध निर्माणी बोर्ड को समाप्त कर 7 नई कंपनियां बनाई है। अब कर्मचारी कारखानों में हड़ताल नहीं कर सकते और ना ही किसी को उकसा सकते हैं। ऐसा करने पर जेल के साथ जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। हालांकि, इन दोनों मजदूर संगठनों ने सरकार के आयुध निर्माणी बोर्ड को खत्म कर 7 निगम बनाये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। सेना के लिये यूनिफार्म से लेकर हथियार, गोला बारूद, तोप और मिसाइल बनाने वाली कारखानों के कर्मचारी सरकार के खिलाफ ना केवल नाराज हैं बल्कि गुस्से में भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में 10 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में बीते 24 घंटे में 10 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। पांच मरीजों को ठीक होने के बाद घर भेजा गया। सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 179 पहुंच गई है। जबकि गुरुवार को प्रदेश में 175 सक्रिय मरीज थे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, शुक्रवार को 11709 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। प्रदेश में कोरोना के चलते अब तक कुल 7397 लोगों की जान जा चुकी है।

सिंघु बार्डर पर पंजाब के युवक की हत्या से हरकत में एसकेएम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिल्ली–हरियाणा के सिंघु बार्डर पर तरनतारन (पंजाब) के युवक लखबीर सिंह की बेरहमी से हत्या से संयुक्त किसान मोर्चा भी सकते में है। हत्या का आरोप निहंगों पर लगा है। ऐसे में छवि खराब होने से चिंतित संयुक्त किसान मोर्चा ने खुद को निहंग सिखों से अलग कर लिया है।

बदरीनाथ धाम के कपाट 20 नवंबर को होंगे शीतकाल के लिए बंद

केदारनाथ व यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज के दिन होंगे बंद

संवाददाता

देहरादून। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 20 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। इसकी औपचारिक घोषणा शुक्रवार को विजयादशमी पर हो गई है। केदारनाथ व यमुनोत्री धाम के कपाट छह नवंबर को भैया दूज के दिन बंद होंगे। वहीं, गंगोत्री धाम के कपाट पांच नवंबर को गोवर्धन पूजा के दिन बंद होंगे।

उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि शीतकाल के लिए बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तिथि विजयदशमी के दिन शुक्रवार को घोषित की गई। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 20 नवंबर को शाम 6.45 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट के पावन पर्व पर पांच नवंबर को सुबह 11 बजकर 45 मिनट पर बंद होंगे। वहीं यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज पर छह नवंबर को दोपहर साढ़े बारह बजे बंद किए जाएंगे। कपाट बंद होने के बाद शीतकाल में गंगा मां की भोग मूर्ति के दर्शन उनके मायके ग्राम मुखबा और मां यमुना के दर्शन खरशाली स्थित उनके शीतकालीन मंदिरों में होंगे।

त्योहारी सीजन में विश्व प्रसिद्ध चारधामों के दर्शन के लिए तीर्थ यात्रियों की तादाद लगातार बढ़ रही है। अब तक सवा लाख यात्रियों ने बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के दर्शन किए हैं।

बाबा केदार के दर्शन के लिए 8354 यात्री हेली सेवा से पहुंचे हैं। प्रदेश में अगले महीने चारधामों के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने से यात्रा भी स्थगित हो जाएगी। यात्रा के अंतिम दिनों में बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम में दर्शनों के लिए तीर्थ यात्रियों की तादाद बढ़ रही है।

आतंकी मुठभेड़ में उत्तराखंड के दो जवान हुए शहीद

संवाददाता

देहरादून। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी मुठभेड़ में उत्तराखंड के दो जवान शहीद हो गए हैं। सेना के उक्त दोनों जवान गुरुवार शाम हुई आतंकी मुठभेड़ में घायल हुए थे, जिन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार शाम से पुंछ जिले के मेंढर में काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन के दौरान भारी गोलीबारी हुई। जिसमें राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और राइफलमैन योगंबर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। शहीद राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी (उम्र 26 साल) जिला टिहरी गढ़वाल और रायफलमैन योगंबर सिंह (उम्र 27 साल) जिला चमोली के रहने वाले थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी मुठभेड़ के दौरान उत्तराखंड के दो जवानों के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और योगंबर सिंह ने देश सेवा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है, जिसको कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री ने दोनों शहीद जवानों के परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की कामना की है।

शहादत

■मुख्यमंत्री ने व्यक्त किया शोक

आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर जिले में 60 घंटे के भीतर दूसरा हमला किया था। जिसमें सेना के एक जेसीओ समेत दो जवान शहीद हो गए। जिस समय हमला हुआ उस समय सेना की 48 आरआर (राष्ट्रीय राइफल्स), 16 आरआर और एसओजी इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी मुठभेड़ के दौरान उत्तराखंड के दो जवानों के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा है कि वीरों के इस बलिदान को देश कभी नहीं भूलेगा।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development — All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding — 1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries) 2. Social Media 3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation — A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly. You tell us, we do it.

Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in
Contact:

कंधार के शिया मस्जिद में विस्फोट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अल्पसंख्यक शिया समुदाय पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। शुक्रवार को कंधार के शिया मस्जिद में हुए धमाके में 32 लोगों के मारे जाने की खबर है। धमाके के वक्त सैकड़ों की संख्या में लोग जुमे की नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा हुए थे। ऐसे में मरने वालों की संख्या और ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। पिछले शुक्रवार को भी कुंदुज में एक शिया मस्जिद पर आत्मघाती हमला हुआ था। इस हमले में भी 50 से अधिक नमाजी मारे गए थे।

हमले के पीछे आईएसआईएस का हाथ होने का अंदेशा

टोलो न्यूज ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया है कि यह विस्फोट कंधार शहर के पुलिस डिस्ट्रिक्ट वन (पीडी1) की एक मस्जिद में हुआ। यह मस्जिद बीबी फातिमा मस्जिद या इमाम बरगाह के नाम से प्रसिद्ध है। धमाका नमाज के दौरान हुआ, जब सैकड़ों लोगों की भीड़ मौजूद थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि इस धमाके में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।